आता है ? पहले से यह संख्या ज्यादा हुई है या कम हुई है ?

Dr. D. S. Raju: I do not think the instances in the last one or two years were any more or less than the present attack.

Shri Bhagwat Jha Azad: May I know if this large epidemic in that area is after the inoculation has been given, as the Deputy Minister stated?

Mr. Speaker: Is it in spite of the inoculation or the inoculation was given after it had spread?

Dr. D. S: Raju: After the attack was known, inoculations were given.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Incentives to Co-operative Societies

*547. **Shri S. B. Das:**
Shri Subodh Hansda:
Shri Basumatari:
Shri S. C. Samanta:

Will the Minister of **Community Development, Panchayati Raj and Co-operation** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government propose to give more incentives to co-operative societies of all kinds such as consumers, service, credit, forest labour, industrial, agricultural and Transport Societies etc. during the Third Five Year Plan period; and

(b) if so, the details thereof?

The Deputy Minister in the Ministry of Community Development, Panchayati Raj and Co-operation (Shri Shyam Dhar Misra): (a) and (b). A statement showing the broad patterns of assistance already approved for different co-operatives for the third five year plan is laid on the Table of the House. Government will soon appoint six working groups on Industrial Co-operatives, Housing Co-operatives, Transport Co-operatives, Dairy and Animal Husbandry Co-operatives, Fishery Co-operatives and Co-operatives under Railways, Posts and Telegraphs etc. to examine further incentives necessary and the lines of development in these sectors. [*Placed in the Library, See* No. LT-358/62].

झांसी में टेलीप्रिन्टर लाइन

*५४८. **श्री म० ला० द्विवेदी :**
श्री स० चं० सामन्त :
श्री सुबोध हंसदा :

क्या **परिवहन तथा संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि झांसी में कतिपय सरकारी कार्यालयों के लिये टेलीप्रिंटर लाइन उपलब्ध हैं लेकिन स्थानीय समाचार पत्र तथा समाचार अभिकरण इस का उपयोग नहीं कर सकते;

(ख) झांसी के दैनिक समाचार पत्रों की ओर से पृथक टेलीप्रिंटर लाइन की मांग सरकार के पास कब से विचाराधीन है ;

(ग) टेलीप्रिंटर लाइन की व्यवस्था करने में क्या कठिनाइयां हैं; और

(घ) क्या इस कठिनाई के निकट भविष्य में दूर किये जाने की कोई संभावना है ?

परिवहन तथा संचार मंत्रालय में उपमंत्री (श्री भगवती): (क) जी हां । किन्तु जनता द्वारा दिये गये तार, जिन में समाचार पत्र और समाचार ऐजेंसी भी शामिल हैं, झांसी तार घर द्वारा उलपलब्ध विभागीय टेलीप्रिंटर परिपथ द्वारा भेजे जाते हैं ।

(ख) अक्तूबर, १९५७ से ।

(ग) देश में सीमित उत्पादन और विदेशी मुद्रा के अभाव के कारण तार-उपस्करों के आयात में होने वाली कठिनाइयों की वजह से यह विभाग टेलीप्रिंटर परिपथों का विस्तार उतनी शीघ्रता से नहीं कर पाता जितनी कि शीघ्रता से उनका विस्तार होना चाहिये ।